Estimate of imports for 1988-89 and 1989-90 are based on technological considerations while. the actual import would depend on the yearly requirement and the corresponding availability and quality of domestic sources.

(c) and (d) Import of coking coal has been resorted to for improving the blend of coal charged to the coke, ovens which improve the raw material base for achieving higher productivity from the existing blast furnaces and for meeting quantity requirements. The increased productivity consequent on the use of imported coal . adequately compensation for the higher cost of imported coal and therefore does not adversely reflect in the production cost of steel.

To minimise imports, steps. are being taken to increase production of the right quality of indigenous coking coal. Some of these steps are: — „

(i) Ensuring adequate supply of power *to* coal mines and Washeries in the Bihar-Bengal belt;

(ii) Special steps for de-watering and to prevent flooding of collieries during the monsoons;

(iii) Modifications of some Washeries so as to increase their yields and production as well as to improve washed coal quality;

(iv) Opening of new coal mines and installation of new Washeries to augment production;

(v) Adequate supply of railway wagons and improving coal loading facilities at collieries/washeries; and

(vi) Speedy implementation of already sanctioned coal projects.

फसल योजना

382. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा अभी तक फसल योजना को अंतिम रूप न दिए जाने के क्या कारण हैं, जिस से किसान प्रभावित हो रहे हैं और जिसके फलस्वरूप वे जिस किसी भी फसल को लाभदायक समझते हैं उसे उगाते हैं, उस वस्तु के मूल्यों में गिरावट आ जाती है और परिणामतः किसान को ही नुकसान उठाना पड़ता है ; और

(ख) देश में "कृषि प्रबन्ध" विषय को न पढ़ाये जाने के क्या कारण है, जबकि इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है ?

कृषि मंत्रालय में उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० प्रभु) : (क) फसल योजना देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए एक सहायता के रूप में स्वीकार कर ली गई है। विभिन्न फसलों के लिए क्षेत्र के आवंटन सहित उत्पादन के लक्ष्य प्रत्येक वर्ष निर्धारित किये जाते हैं और इनके कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है । फसलों के चुनाव के बारे में उचित निर्णय लेने में उनकी सहायता के लिए किसानों को मूल्य तथा विपणन के संकेत प्रदान किये जाते हैं। इसके अलावा, सरकार की नीति के रूप में किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर मूल्य समर्थन कार्य शुरू किये जाते हैं ताकि मूल्य सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों से नीचे न गिरें ।

(ख) फसल/फार्म प्रबन्ध संबंधी विशिष्ट पाठ्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की डीन समिति द्वारा बी० एस० सी० (कृषि) डिग्री कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के एक अभिन्न भाग के रूप में शामिल किया गया है।

Cut in supply of edible oil to Vaiiasq*atf Industry

383. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that supply of imported edible oil to the Vanaspati industry has been drastically reduced;

(b) whether it is also• a fact that there is an abnormal rise in the prices of the